

किशनपुर में मलेरिया-डेंगू की दस्तक पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, 40 जगहों पर मिला मच्छरों का लार्वा

110 घरों का सर्वेक्षण, 556 जल-पात्रों की जांच; 50 बुखार रोगियों की हुई जांच, मलेरिया की सभी रिपोर्ट निगेटिव

कानपुर नगर (उत्तर प्रदेश)। मच्छरजनित रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने विकासखंड चौबेपुर के ग्राम किशनपुर में विशेष अभियान चलाया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के मौखिक निर्देशों के अनुपालन में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह एवं जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में जनपदीय वीबीडी टीम ने गांव का भ्रमण कर स्वास्थ्य शिविर लगाया और घर-घर सर्वेक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौबेपुर की विभागीय टीम द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू समेत अन्य मच्छरजनित रोगों के लक्षण, बचाव, जांच और उपचार के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में 90 रोगियों को चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाई वितरित की गई। इयमें बुखार एवं सर्बीसित लक्षण वाले 50 मरीजों को मलेरिया और डेंगू की जांच की गई। मलेरिया की सभी जांच रिपोर्ट निगेटिव आई, जबकि डेंगू के नमूने परीक्षण के लिए यूएचएम प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

556 जल-पात्रों की जांच, 40 में मिला लार्वा

जनपदीय वीबीडी टीम ने गांव में घर-घर पहुंचकर मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच की। इस दौरान 110 घरों का सर्वेक्षण कर करीब 556 जल-पात्रों एवं कंटेनरों की जांच की गई। जांच में लगभग 40



स्थानों/जल-पात्रों में मच्छरों के लार्वा की जोड़िंग मिली। टीम ने मौके पर ही लार्वा को नष्ट कराया और संबंधित गृहस्वामियों को पानी जमा न होने देने के लिए जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों से कूलर और पानी की टैंकियों की नियमित सफाई करने तथा पुराने टायर, डिब्बे, बर्तन और अन्य अनुपयोगी सामान में पानी जमा न होने देने की अपील की। जलभराव वाले स्थानों पर आवश्यकतानुसार जला हुआ मोबिल ऑयल अथवा केरोसिन ऑयल डालने, मच्छररोधी क्रीम का इस्तेमाल करने और

शरीर को अधिक से अधिक कवचों से ढककर रखने की सलाह दी गई।

बुखार होने पर तुरंत जांच कराने की अपील

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों को सलाह दी कि बुखार या मच्छरजनित बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर स्वयं दवा लेने के बजाय तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराएं और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार उपचार लें। अभियान के दौरान पाथ संस्था के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ.

शिवकांत भी मौजूद रहे। जनपदीय वीबीडी टीम ने स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों एवं फील्ड स्ट्राफ को वीबीडी सर्विलांस, फीवर केस डिटेक्शन, समयबद्ध रिपोर्टिंग, जांच-उपचार और मच्छर नियंत्रण गतिविधियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मलेरिया और डेंगू जैसे मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है। घर और आसपास पानी जमा न होने देकर मच्छरों के प्रजनन को रोक़ा जा सकता है।

घर का आंगन 25 फीट धंसा, गिरकर लड़की की मौत : 7 घंटे फंसी रही, 60 जवानों ने गड्ढा खोदकर निकाला, बोरवेल के ऊपर फर्श बना दी थी

कानपुर। कानपुर में घर का आंगन अचानक धंसने से 25 फीट गहरे गड्ढे में गिरी लड़की को 7 घंटे के ऑपरेशन के बाद बाहर निकाल लिया गया। लेकिन अस्पताल में उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।



यश्री, मृतक

हादसा शुक्रवार सुबह 6:40 बजे हुआ। रक्षाबंधन पर 18 साल की यश्री सविता नहाकर बाथरूम से बाहर निकली थी। जैसे ही उसने अपना एक कदम आंगन की तरफ बढ़ाया, नीचे की जमीन धंस गई। यश्री नीचे मौजूद बोरिंग में समा गई। उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे के वक्त घर में सिर्फ बड़ी बहन थी। मां-बाप घर से 200 मीटर दूर बैस बोंधने गए थे। बहन ने देखा तो उसने पहले रस्सी डालकर यश्री को निकालने की कोशिश की। इतनी देर में मिट्टी और धंस गई और लड़की नीचे अंदर चली गई। बहन चीखते हुए घर से बाहर भागी। मां-बाप और पड़ोसियों को बुलाया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। 135 मिनिट बाद पुलिस आई, लेकिन वह बेबस दिखी। घर से 22 किमी दूर जाजमऊ से फायरब्रिगेड को बुलाया गया। तब तक डेढ़ घंटे बीत चुके थे। 8 बजे फायरकर्मों मौके पर आए। उन्होंने उसी गड्ढे को फावड़े से खोदना शुरू किया, जिसमें यश्री गिरी थी। मिट्टी धंसकर गड्ढे में गिर रही थी, इसलिए रेस्क्यू रोके दिया गया। फिर जेसीबी मंगवाई गई और बरामदे को तोड़ दिया। हादसा स्थल से 10 फीट दूर जेसीबी से गड्ढा खोदा गया। 10 बजे तक एनडीआरएफ और एसडीआरएफ दोनों रेस्क्यू में लग चुकी थी। जेसीबी से करीब 20 फीट गड्ढा खोदा गया, लेकिन यश्री को सटीक लोकेशन नहीं मिल रही थी। तब पोकलेन मंगाई गई। इससे 10 फीट और गहरा गड्ढा खोदा गया। दोपहर 2.20 बजे 30 फीट की खुदाई के बाद 60 जवानों की रेस्क्यू टीम लड़की तक पहुंच पाई। उसे जब बाहर निकाला गया। वह अचेत थी। मामला जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर गांव का है। यश्री, पिता विनोद, मां रेखा, बड़ी बहन ऋचा और भाई अमित उर्फ भास्कर के साथ रहती थी। यश्री सबसे छोटी थी। दो बहनों रुपा और अनुपमा को शादी हो चुकी है। भाई अमित लखनऊ में एक मेडिकल कंपनी में जांच करता है। पिता बंदाई पर खेती करते हैं। घरवालों ने बताया, करीब तीन साल पहले 630 स्क्वियर फीट में घर बनाया गया, जो 18 फीट चौड़ा और 35 फीट लंबा है। घर की शुरुआत में एक बरामदा है। फिर आंगन और आखिर में कमरा है। आंगन से सटा बाथरूम है। घर निर्माण के समय आंगन में बोरिंग कराई गई थी, लेकिन पानी नहीं निकलने के कारण उसे छोड़ दिया गया और दूसरी जगह नई बोरिंग कराई गई। उसी पुरानी बोरिंग के ऊपर फर्श बना दी गई थी। लगातार बारिश के कारण जमीन कमजोर हो गई थी। अब जमीन धंसने से यह हादसा हो गया। सीएचसी सरसौल के डॉक्टर दीपेंद्र उतम ने बताया कि युवती को दोपहर 2:43 बजे अस्पताल लाया गया था। करीब 10 मिनट तक जांच की गई, लेकिन उसको सांस नहीं चल रही थी। डॉक्टर के मुताबिक, अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवती को मौत हो चुकी थी।

बरेली में भाजपा नेता की चाकू से गोदकर हत्या

घर से 500 मीटर दूर धेरकर मारा; पहले से घात लगाए बैठे थे हमलावार

बरेली। बरेली में बीजेपी नेता की शुक्रवार देर रात करीब 10:30 बजे घर से करीब 500 मीटर दूर चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। वह रात में खाना खाने के बाद टहलने निकले थे। पहले से घात लगाए हमलावरों ने उन्हें पकड़ लिया और चाकू से हमला कर दिया।



सचिन कश्यप, मृतक

भाजपा नेता की चीख-पुकार सुनकर लोग दौड़े तो आरोपी भाड़क से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल भाजपा नेता को लोग अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वाराणस जिला मुख्यालय से करीब 2.5 किलोमीटर दूर सुभाहनगर थाना क्षेत्र का है। भाजपा नेता की पहचान सचिन कश्यप (28) के रूप में हुई है। वह भाजपा ओबीसी मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष थे। परिजनों की तहरीर पर तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। हत्या की वजह के पीछे पैसों के लेनदेन का विवाद सामने आ रहा है। बरेली के मांझे वाली बगिया इलाके में सचिन कश्यप (28) परिवार के साथ रहते थे। वह प्रिंटिंग प्रेस में काम करता करते थे। भाई सनी ने बताया- उनकी शादी हो चुकी थी। परिवार में मां गृहि्या देवी, पिता चंद्र प्रकाश, दो भाई और पांच

बहनें हैं। उनके अलावा घर में सचिन की पत्नी और तीन बच्चे महिमा (12) अरुणा (8) शिवांश (4) भी रहते हैं। सचिन माण्गनाथ मंडल के भाजपा ओबीसी मोर्चा का उपाध्यक्ष भी थे। शुक्रवार रात खाना खाने के बाद सचिन करीब 10 बजे घर से टहलने निकले थे। घर से करीब 500 मीटर दूर कुछ हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे। सचिन को देखते ही उन्होंने उनको पकड़ लिया। उनके साथ गाली-गलौज की और चाकू से हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर लोग दौड़े तो हमलावर भाड़क से फरार हो गए। लोगों ने सचिन के घरवालों को फोन

कर घटना की जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो सचिन खूद से लथरान और बेहोशी की हालत में पड़ा था। उन्होंने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। सचिन को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाई के मुताबिक, सचिन का कुछ समय पहले पैसे के लेनदेन को लेकर बाबू नाम के युवक से विवाद हुआ था। बाद में स्थानीय लोगों और जान-पहचान वालों के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। इसके बावजूद वे लोग सचिन से दुश्मनी रखते थे। उन्होंने ही उसकी हत्या की है।

15 साल बाद रोहणी नक्षत्र में मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव : अष्टमी तिथि के साथ रोहणी नक्षत्र का दुर्लभ संयोग, उज्जैन के मंदिरों में विशेष पूजन होगी

उज्जैन। देशभर में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इस बार 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहणी नक्षत्र में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अश्वत व्यास के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्‍यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी तरह का संयोग बन रहा है।



पंडित व्यास के मुताबिक कई बार जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि तो रहती है, लेकिन रोहणी नक्षत्र का संयोग नहीं बनता। इस बार दोनों एक ही दिन मिल रहे हैं। यही वजह है कि इस जन्माष्टमी को विशेष माना जा रहा है। रामानंदी संप्रदाय में जन्मोत्सव के लिए रोहणी नक्षत्र को विशेष महत्व दिया जाता है। इस बार वैष्णव और रामानंदी समेत सभी प्रमुख संप्रदायों में 4 सितंबर को ही जन्माष्टमी मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्य के अनुसार जन्माष्टमी की अव्रात्रि में अष्टमी तिथि और रोहणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। जन्माष्टमी पर उज्जैन के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष समावट, अभिषेक और पूजन-अर्चन किया जाएगा। इस्कॉन मंदिर: भरतपुरी स्थित इस्कॉन मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। भगवान राधा मोहन का अभिषेक कर नए वस्त्र पहनाए जाएंगे। आभूषण और पुष्‍पमालाओं से श्रृंगार के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। द्वारकाधीश गोपाल मंदिर: सिंधिया ट्रस्ट के श्री द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में पंचामृत पूजन-अभिषेक के बाद दर्शन शुरू होंगे। विशेष श्रृंगार के साथ ढेली बुआ का कीर्तन होगा। मध्‍यरात्रि 12 बजे विशेष आरती की जाएगी। सांदीपनि आश्रम: भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम में भी विशेष पूजन और आरती होगी। यहां सुबह से रात तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। जन्माष्टमी पर आश्रम में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

यमुना के बढ़ते जलस्तर से अलर्ट सजेती पुलिस, संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई निगरानी

कानपुर नगर (उत्तर प्रदेश)। जिले में लगातार हो रही बारिश और यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सजेती पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। पुलिस ने नदी किनारे तथा जलभराव की आशंका वाले संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पुलिस टीमों ने विभिन्न संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से बातचीत की और उन्हें संभावित खतरे के प्रति सचेत किया। इस दौरान लोगों से अपील की गई कि वे अनावश्यक रूप से नदी के करीब न जाएं और किसी भी स्थिति में नदी के पानी में उतरने का जोखिम न उठाएं। पुलिस ने विशेष रूप से नदी किनारे और जोखिम वाले स्थानों पर भीड़ न लगाने की सलाह दी। साथ ही ग्रामीणों को मौसम और जलस्तर में होने वाले बदलावों के प्रति सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया। सजेती पुलिस का कहना है कि लगातार बारिश के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी जारी रहेगी और लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।



मुंबई में दूध 100 के पार, थोक भाव 9 बढ़ा

मुंबई। त्योहारी सीजन से पहले मुंबई के लोगों को महंगाई का झटका लगा है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमत में 9 प्रति लीटर बढ़ोतरी का ऐलान किया है। लई कीमत 1 सितंबर से लागू होगी। इसके बाद मुंबई और आसपास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों में थोक दूध का भाव 93 से बढ़कर 102 प्रति लीटर हो जाएगा।

यह नई कीमत अगले 6 महीने यानी 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगी। एसोसिएशन के मुताबिक, यह हाल के वर्षों में दूध की कीमत में हुई सबसे बड़ी एकमुश्त बढ़ोतरी में से एक है। दूध की कीमत बढ़ाने के पीछे डेयरी किसानों और तबेला संचालकों ने बढ़ती उत्पादन लागत को मुख्य वजह बताया है। पिछले एक साल में पशुओं के लिए एलरु जरा चारा, चुनी और खली जैसी चीजों की कीमत लगातार बढ़ी है। इसके अलावा नदी की बढ़ती पानी की देखभाल और तबेलों के



संचालन का खर्च भी बढ़ गया है। बढ़ती लागत के कारण दूध उत्पादकों पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा था। थोक दूध महंगा होने का सीधा असर मुंबई के आम ग्राहकों पर

पड़ने की आशंका है। स्थानीय दूध विक्रेता, डेयरी और घर तक दूध पहुंचाने वाले सप्लायर। सितंबर से बढ़ी हुई कीमत ग्राहकों से वसूल सकते हैं। कुछ जगहों पर खुदरा कीमत में थोक बढ़ोतरी से थोड़ा ज्यादा इजाजा भी हो सकता है। इसका असर सिर्फ दूध तक सीमित नहीं रहेगा। दूध महंगा होने से दही, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। त्योहारी सीजन में दूध की बड़ी खपत होने के कारण मिठाई की दुकानों, बेकरी और खाने-पीने की दुकानों पर भी लागत बढ़ेगी। ऐसे में त्योहारों के दौरान मिठाइयों और दूसरे दूध से बने उत्पादों के दाम बढ़ने की संभावना है।

बाढ़ के बाद घटा मंदाकिनी का जलस्तर, रामघाट पर दिखी तबाही की तस्वीरें

चित्रकूट। मां मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ के बाद अब जलस्तर धीरे-धीरे घटने लगा है। पानी कम होने के बाद चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट की स्थिति सामने आने लगी है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद घाट और आसपास के क्षेत्रों में इसके असर की तस्वीरें साफ दिखाई दे रही हैं।



बाढ़ के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने से रामघाट सहित आसपास के इलाकों में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अब पानी घटने के बाद घाट की स्थिति की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें बाढ़ के प्रभाव को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। रामघाट की इन तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ ने स्थानीय लोगों और घाट क्षेत्र को किस तरह प्रभावित किया। पानी कम होने के बाद प्रशासन और स्थानीय लोगों के सामने अब साफ-सफाई तथा सामान्य जनजीवन बहाल करने की चुनौती है।

REG-NO.MSCS/CR/1302/2020 Email- ramrajajamesc@gmail.com
RAMRAJA MULTI-STATE AGRO CO-OPERATIVE SOCIETY LTD.
REGISTERED WITH MINISTRY OF COOPERATION (GOVERNMENT OF INDIA)

दिनांक: 31 अगस्त 2026
सुचना / निर्वाचन संबंधी नोटिस
समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति के वर्तमान बोर्ड/समिति का कार्यकाल दिनांक 10.09.2026 को पूर्ण हो रहा है। अतः समिति के नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार नए बोर्ड/समिति के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उक्त निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित तिथि दिनांक 21.09.2026 से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वह होने वाली निर्वाचन प्रक्रिया में उपस्थित होकर अपने माताधिकार का प्रयोग करें तथा समिति के सुचारू संचालन हेतु योग्य प्रतिनिधियों के चयन में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। यह भी अवगत कराया जाता है कि समिति द्वारा यह सूचना निर्वाचन तिथि से 14 दिवस पूर्व सभी सदस्यों को प्रदान की जा रही है, जिससे सभी सदस्य समय रहते जानकारी प्राप्त कर सकें एवं निर्वाचन में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी, जैसे निर्वाचन कार्यक्रम, मतदाता सूची, नामांकन प्रक्रिया, मतदान की तिथि एवं समय तथा निर्वाचन से संबंधित अन्य आवश्यक सूचनाएँ समिति द्वारा समय-समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए निर्धारित कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

सहायक निर्वाचन अधिकारी का नाम: रामकुमार वर्मा कार्यालय का पता: सी-301, रॉयल कॉम्प्लेक्स, श्री रॉयल सिटी, शिवपुरी रोड, झांसी-284003
अतः सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि निर्वाचन प्रक्रिया में अपना सहयोग प्रदान करें तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक कार्यवाही के सहभागिता सुनिश्चित करें।

आदेशानुसार - आस्था गुप्ता मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)
समिति: रामराजा मट्टी स्टेट एगो को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड

RAMRAJA MULTI-STATE AGRO CO-OPERATIVE SOCIETY LTD.

REGISTERED WITH MINISTRY OF COOPERATION (GOVERNMENT OF INDIA)

सूचना / निर्वाचन संबंधी नोटिस

दिनांक: 31 अगस्त 2026

समस्त सदस्यों को सूचित किया जाता है कि समिति के वर्तमान बोर्ड/समिति का कार्यकाल दिनांक 10.09.2026 को पूर्ण हो रहा है। अतः समिति के नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार नए बोर्ड/समिति के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। समिति के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उक्त निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित तिथि दिनांक 21.09.2026 से प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है की वह होने वाली निर्वाचन प्रक्रिया में उपस्थित होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें तथा समिति के सुचारु संचालन हेतु योग्य प्रतिनिधियों के चयन में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें। यह भी अवगत कराया जाता है कि समिति द्वारा यह सूचना निर्वाचन तिथि से 14 दिवस पूर्व सभी सदस्यों को प्रदान की जा रही है, जिससे सभी सदस्य समय रहते जानकारी प्राप्त कर सकें एवं निर्वाचन में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी, जैसे निर्वाचन कार्यक्रम, मतदाता सूची, नामांकन प्रक्रिया, मतदान की तिथि एवं समय तथा निर्वाचन से संबंधित अन्य आवश्यक सूचनाएँ समिति द्वारा समय-समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए निर्धारित कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

सहायक निर्वाचन अधिकारी का नाम: रामकुमार वर्मा कार्यालय का पता: सी-301, रॉयल कॉम्प्लेक्स, श्री रॉयल सिटी, शिवपुरी रोड, झाँसी - 284003

अतः सभी सम्मानित सदस्यों से अनुरोध है कि निर्वाचन प्रक्रिया में अपना सहयोग प्रदान करें तथा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक कार्यवाही में सहभागिता सुनिश्चित करें।

आदेशानुसार -: आस्था जुसा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO)

रामिति : रामराजा मल्टी स्टेट एग्रो को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड